



कोर्ट में महाभारत

मृत्युंजय प्रभाकर

कोर्ट में महाभारत



मृत्युंजय प्रभाकर

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: अक्टूबर, 2023

© मृत्युंजय प्रभाकर

पात्र

1. हंसराज गाँधी लेखक-संस्कृतिकर्मी
2. सर्वज्ञान ओझा टीवी एंकर
3. राजकाज सिंह सत्तापक्ष का नेता-प्रवक्ता
4. मणिकंटक तिवारी विपक्ष का नेता-प्रवक्ता
5. अनुपम आनंद बुद्धिजीवी
6. नारद मिश्रा रिपोर्टर-पत्रकार
7. प्रशांत पंडित रिपोर्टर-पत्रकार
8. विष्णु खरे हाई कोर्ट जज
9. धुरंधर शर्मा शिकायतकर्ता वकील
10. सत्येन्द्र त्यागी दिल्ली थाने का पुलिस अफसर
11. जोगेंद्र मीणा जयपुर थाने का पुलिस ऑफिसर
12. पिकी मिश्रा नारद मिश्रा की पत्नी
13. सुरिंदर कौर हंसराज गाँधी की वकील
14. पुलिसवाला थाने में तैनात पुलिसवाला

- | | |
|---------------------------|------------------------------|
| 15. ब्राह्मण | रोहन अभिषेक (नाट्य निर्देशक) |
| 16. बर्बरीक | अस्मित शर्मा (अभिनेता) |
| 17. गांधारी | रचना कार्तिक (अभिनेता) |
| 18. हिडिम्बा | सविता संकल्प (अभिनेता) |
| 19. उत्तरा | मृणाल मोहिनी (अभिनेता) |
| 20. भानुमती | ज्योति वर्मा (अभिनेता) |
| 21. सुकेशी | अम्बिका नारायण (अभिनेता) |
| 22. अभिनेता एक | नाट्य समूह का सदस्य |
| 23. अभिनेता दो | नाट्य समूह का सदस्य |
| 24. कोर्ट का मुलाजिम (एक) | |
| 25. कोर्ट का मुलाजिम (दो) | |

क्या अँधेरे समय में भी गीत गाए जाएंगे

जरूर गाए जाएंगे, अंधेरों के बारे में!

- बर्टोल्ट ब्रेख्त

मेरे हबीब

हिंदी कवि

आदरणीय

विष्णु खरे

को समर्पित

प्रथम अंक

दृश्य – एक

दृश्य सार

इस दृश्य में लेखक और बुद्धिजीवी हंसराज गाँधी की गिरफ्तारी की खबर मीडिया में ब्रेक की जाती है... हंसराज गाँधी के ऊपर बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ का आरोप उसके द्वारा लिखे नाटक 'आदिविद्रोही बर्बरीक' को आधार बनाकर लगाया जा रहा है. लेखक का वकील गिरफ्तारी पर रोक के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है.... गिरफ्तारी पर रोक की मांग कोर्ट मान लेती है..साथ ही नाटक को कोर्ट में पेश करने का अजीबोगरीब आदेश भी सुनाती है..

(पर्दा खुलने से पूर्व ही तरह-तरह के टीवी न्यूज़ के एंथम सुनाई पड़ने लगते हैं. अंत में 'आज का दंगल' प्रोग्राम का एंथम सुनाई पड़ता है. इस बीच पर्दा धीरे-धीरे खुलता है और पर्दा खुलने पर हम देखते हैं कि न्यूज़ स्टूडियो में बैठा एंकर जोर-जोर से ऊँची आवाज में आज की मुख्य खबरें बता रहा है)

सर्वज्ञान ओझा : (उत्साहपूर्वक) नमस्कार! ब्रेक के बाद आपका एक बार फिर स्वागत है. मैं हूँ सर्वज्ञान ओझा और आप देख रहे हैं पी.के. टीवी पर 'आज का